Mr. Speaker: It has been answered. The Government has said that Pakistan has tried and what the result was is known to the Member. Our Government is not prepared or is not anxious to take any action in that matter to initiate it or do something.

Shri Tyagi: Do I take it that our Government is not anxious to get the matter expedited?

Mr. Speaker: What matter expedited? There is nothing before the United Nations.

Shri Tyagi: We have filed a case and it is there for their final decision. Are we doing anything to get it expedited?

Shri Jawaharlal Nehru: There is no question of getting it expedited. It has been repeatedly there. The hon. Member seems to suggest that we ought to take some steps to bring it up there. We do not propose to do so there.

संसद् की कार्यवाही का हिन्दी में प्रसारण

*७७७. **श्री भक्त दर्शन :** क्या **सूचना और प्रसारण** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संसद् की कार्यवाही का सारांश हिन्दी में आकाशवाणी द्वारा केवल हिन्दी-भाषी राज्यों में ही प्रसारित करने का निश्चय किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो नया निश्चय किस आधार पर किया गया है ; और

(ग) यह निश्चय कब लागू किया जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) और (ख). संसद् की कार्यवाही की समीक्षा हिन्दी में अगस्त, १९५९ और फरवरी, १९६१ के बीच के समय को छोड़ कर, १९५६ से ब्राडकास्ट की जा रही है, और यह हिन्दी बोलने वाले इलाके के आकाशवाणी के सभी केन्द्रों और हिन्दी न बोलने वाले इलाके के कुछ केन्द्रों के द्वारा रिले की जाती है। इन ब्राडकास्टों के बारे में कोई फैसला नहीं किया गया है।

(ग) सवाल नहीं उठता।

[(a) and (b). Hindi reviews of the proceedings of Parliament are being broadcast since 1956, except for a time between August 1959 and February 1961, and are relayed by all Stations of All India Radio in the Hindi region and by some Stations in the non-Hindi region. No new decision has been taken in regard to these broadcasts.

(c) Does not arise.]

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि संसद्-समीक्षा के सम्बन्ध में जो यह प्रसारण किये जाते हैं यह अहिन्दी भाषी किन-किन केन्द्रों से किये जाते हैं ?

श्री शाम नाथ : हिन्दी रीजन के जिन स्टेशनों से यह ब्राडकास्ट किये जाते हैं, वह हैं: इलाहाबाद, पटना, रांची, जलन्धर, जयपुर..

श्री भक्त दर्शन : मेरा प्रश्न अहिन्दी केन्द्रों के सम्बन्ध में है।

श्री शाम नाथ : अहमदाबाद, बड़ौदा और राजकोट।

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि इस समय जिन केन्द्रों से इसको प्रसारित किया जा रहा है, उनके अतिरिक्त क्या किन्हीं अन्य अहिन्दी भाषी क्षेत्रों से इसके लिये मांग आयी है जैसे बंगलौर से ?

श्री शाम नाथ : जी नहीं, ऐसी अभी कोई मांग नहीं आयी है।

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि आकाशवाणी की भाषा नीति में इस सम्बन्ध में सहसा परिवर्तन करने की जो बात चल रही है, उसका क्या कारण है ?

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं यह जानना चाहता हूं कि संसद् की यह कार्रवाई, जिसके सम्बन्ध में अभी मन्त्री महोदय ने उत्तर दिया, यहां से पहले अंग्रेजी में अंकित होकर वहां जाती है और फिर उसका हिन्दी में अनुवाद करके उसको प्रसारित किया जाता है, अथवा हिन्दी की कार्रवाई हिन्दी में ही जाती है ?

श्री शाम नाथ : हिन्दी और अंग्रेजी मे जो यहां की कार्रवाई ब्राडकास्ट होती है उसके लिये ए० आई० आर० के कमेन्टेटर यहां मौजूद रहते हैं और अपने इम्प्रेशन के आधार पर वह कमेंटरी तैयार करते हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा प्रश्न यह यह था कि .....

अध्यक्ष महोदय : आपने कहा कि क्या पहले इसका टैक्स्ट अंग्रेजी में दिया जाता है और वह उसका तर्जुमा करते हैं हिन्दी में और वह कहते हैं कि नहीं उनके रिप्रेजेंटेटिव रहते हैं और वह हिन्दी में ले जाते हैं टैक्स्ट और उसको ब्राडकास्ट करते हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उन्होंने यह नहीं कहा, यह तो आप कह रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने तो यही समझा । अब आप कह लें ।

श्री शाम नाथ : मैंने कहा था कि ए० आई० आर० के जो रिप्रेजेंटेटिव यहां रहते हैं वह टैक्स्ट हिन्दी मे और अंग्रेजी में ले जाते हैं और उनके जो इम्प्रेशन होते हैं उनके आधार पर यह वह कमेंटरी तैयार करते हैं और रात को उसको ब्राडकास्ट किया जाता है ।

अध्यक्ष महोदय : वह जानना चाहते हैं कि जो हिन्दी की कमेंटरी तैयार की जाती है उसका टैक्स्ट हिन्दी में देते हैं वह ब्राडकास्ट होता है, या उसका टैक्स्ट अंग्रेजी वाले देते हैं और उसका तर्जुमा किया जाता है और तब ब्राडकास्ट होता है ।

Shri Sham Nath: I have no knowledge about it, Sir.

श्री भागवत झा आजाद : मैं यह जानना चाहता हूं कि अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में कुछ केन्द्रों से ही यह प्रसारण क्यों किया जाता है, दूसरे केन्द्रों से क्यों नहीं किया जाता ।

श्री शाम नाथ: चीज यह है कि हिन्दी रीजन के तमाम.....

श्री भागवत झा आजाद : मैंने नान हिन्दी कहा ।

श्री शाम नाथ : अभी तक इसको अहमदाबाद, बड़ौदा और राजकोट से रिले किया जाता है । लेकिन इस पर विचार किया जा सकता है कि जो और अहिन्दी रीजन के स्टेशन्स हैं उन से भी इसको रिले किया जाए ।

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही नहीं है कि हैदराबाद, कलकत्ता, मद्रास और मैसूर मे हिन्दी जानने वालों की तादाद ज्यादा है ; यदि हां तो क्या सरकार वहां इस ब्राडकास्ट को जारी करने की सोच रही है ?

श्री शाम नाथ : मैंने कहा कि इस पर विचार किया जा सकता है ।

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: May I know whether the establishment of a new relaying station in the Parbhani district of Maharashtra has got anything to do with the relaying of Hindi version of the Parliament proceedings?

Shri Sham Nath: That is a separate question, Sir.

श्री रघुनाथ सिंह : कलकत्ता शहर में कम से कम बीस लाख हिंदी भाषा भाषी लोग होंगे । इन बीसलाख आदमियों के वास्ते .

अध्यक्ष महोदय : कलकत्ता के बारे में तो विभूति मिश्र साहब ने सवाल किया था ।

श्री रघुनाथ सिंह : उन्होंने तो साउथ के बारे में सवाल किया था ।

अध्यक्ष महोदय : वह कलकत्ता के बारे में पूछ चुके हैं । मेम्बर साहब को ध्यान से सुनना चाहिए ।

श्री विश्राम प्रसाद : मैं माननीय मन्त्री जी से पूछना चाहूंगा कि जब हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में मान लिया गया है तो उनको हिन्दी में सभी स्टेशनों से ब्राडकास्ट करने में क्या ऐतराज है ?

श्री शाम नाथ : ऐतराज की तो कोई बात नहीं है । लेकिन इसकी फीजिबिलिटी (feasibility) देखनी पड़ती है और जो प्रोग्राम होता है उसको एडजस्ट करना पड़ता है । मैं ने कहा कि इसके बारे में विचार किया जा सकता है कि नान-हिन्दी रीजन के और जो स्टेशन्स हैं वहां से भी इस कमेंटरी को ब्राडकास्ट किया जाए ।

Mr. Speaker: Next question.

श्री यशपाल सिंह : मेरा एक प्रश्न रह गया ।

अध्यक्ष महोदय : रह गया तो मैं क्या करूं ?

Indian Forces for West Irian

\+

*779. **Shri Basumatari:**
Shri D. C. Sharma:
Shri Solanki:
Shri Yashpal Singh:
Shri Ram Ratan Gupta:
Shri P. C. Borooah:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Bade:
Shri Kachhavaiya:
Shri Hari Vishnu Kamath:
Shri Surendra Pal Singh:
Shri Kajrolkar:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether the United Nations have asked India to supply the bulk of the troops for the United Nations security force to be dispatched to West Irian to help the existing Papuan police force in maintaining law and order; and

(b) if so, the reaction of the Government of India thereto and the action proposed to be taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) No, Sir.

(b) The question does not arise.

Mr. Speaker: Next question.

श्री यशपाल सिंह : श्रीमन, आप ने अगला क्वेस्टियन बुला लिया है, लेकिन सप्लीमेंटरी क्वेस्टियन करने वाले बैठे हुए हैं ।

अध्यक्ष महोदय : कोई माननीय सदस्य खड़े नहीं हुए थे, इसलिये मैंने नैक्स्ट क्वेस्टियन बुला लिया ।

श्री यशपाल सिंह : मैं खड़ा हूं । मैं देखता रहा कि शायद उधर से सवाल पूछा जाये ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य को उठना चाहिये था । वह उधर देखते रहे और उधर कोई माननीय सदस्य खड़ा नहीं हुआ । चूंकि मैंने किसी को भी खड़ा होते नहीं देखा, इसलिये मैंने नैक्स्ट केवेस्टियन बुला लिया ।

श्री यशपाल सिंह : अब सवाल पूछने की आज्ञा दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : श्री यशपाल सिंह ।

Shri Hari Vishnu Kamath: I was standing here immediately, Sir.

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि जब हमारे पास फौजें नाकाफी हैं और हम पाकिस्तान और चीन के साथ लगे बार्डर का इन्तजाम नहीं कर सकते हैं, तो सरकार को क्या मारल राइट हासिल है कि वह दूसरे देशों में अपनी फौजें भेजे ।

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : माननीय सदस्य ने तो ऊंचे दर्जे की मारेलिटी का सवाल किया है, लेकिन इसका जवाब यह है कि हम वहां नहीं भेज रहे हैं ।